लीडरशिप सीआईएमपी और यूनिवर्सिटी आफ साउथैम्पटन को समीप लायी

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) और साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन, यूनाइटेड किंगडम ने संयुक्त रूप से सीआईएमपी परिसर में 17 जनवरी को एक वैश्विक नेतृत्व सम्मेलन (ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस) का आयोजन किया। यह संभवतः भारत में किसी भी बिजनेस स्कूल में होने वाली पहली कॉन्फ्रेंस थी जहां वैश्विक नेतृत्व पर चर्चा और पैनल डिस्कशन किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, सीआईएमपी के निदेशक, डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि इस सम्मेलन का आज के समय में बहुत महत्व है क्योंकि नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है चाहे वह पेशेवर जीवन में हो या राजनीतिक जीवन में हो या सामान्य सार्वजनिक जीवन में हो। इसीलिए हमें एक नेता की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि लीडर्स डिफॉल्ट रूप से, इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो लीडर कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं। साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल के उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो पॉल बेनेट ने अपने संबोधन में कहा कि लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों को अपना काम करने में मदद करता है। उन्होंने आगे बताया के लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि पदानुक्रमित नेतृत्व (हिरेरिकल लीडरशिप) खतम हो चुका है और हम सभी को सहयोगात्मक व्यवहार से काम करने की आवश्यकता है। क्रिएटिव थिंकर और लेखक डॉ प्रसाद सुंदरराजन ने द मिस्टिक लीडर के बारे में चर्चा की और कहा कि प्रत्येक मनुष्य एक रहस्यवादी (मिस्टिक) है, जैसा कि रहस्यवादी का मतलब उन विशेषताओं से है जो हर मनुष्य के लिए सुलभ हैं। सुकरात, जीसस क्राइस्ट, पैगंबर मोहम्मद और एनी बेसेंट से लेकर भगवान कृष्ण, बुद्ध, राम कृष्ण परमहंस और विवेकानंद का हवाला देते हुएय उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक (मिस्टिक) लोग मुद्दों के प्रति अति-संवेदनशील होते हैं और निर्भीक दिमाग रखते हैं और उन्होंने कहा कि जहां मन भय के बिना नहीं हैए वहीं मिस्टिक होना केवल एक दूर की संभावना है। यूके से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो पॉल बेनेट, प्रो मार्टिन ब्रॉड, श्री अजी आईसेक मैथ्यू, प्रो श्री कंधैया, श्री क्रिस बाउंड, सुश्री सोंग पैन यूट्ज, प्रो मार्टिन डाइक, प्रो पोरव शुक्ला, प्रो साबू पद्मदास और अन्य शामिल थे।

AAJ ! Page.No-11 ! Dated:18-01-2019

डिफॉल्ट इनोवेटर्स होते हैं लीडर : मुकुंद दास

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना परिसर में वैश्विक नेतृत्व सम्मेलन का आयोजन

जासं, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) और साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन, यूके की ओर से संयुक्त रूप से ग्लोबल लीडरशिप कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज जब नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है, तो ऐसे समय में इस तरह के सम्मेलन की जरूरत बन जाती है। हमें नेताओं की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि लीडर्स डिफॉल्ट रूप से इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं। साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल के उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो. पॉल बेनेट ने अपने संबोधन

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना और यूनाइटेड किंग्डम के साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल ने किया ग्लोबल लीडरशिप कांफ्रेंस का आयोजन

में कहा कि लीडर्स को लोग फोलो करते हैं। फॉलोअर तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें। इस अवसर पर डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने 'द मिस्टिक लीडर' के बारे में चर्चा की और कहा कि प्रत्येक मनुष्य एक मिस्टिक है। कांफ्रेंस में कॉरपोरेट, सरकार और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कांफ्रेंस में भाग लेने आए यूके से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो. पॉल बेनेट, प्रो. मार्टिन ब्रॉड, अजी आइसेक मैथ्यू, क्रिस बाउंड, सोंग पैन यूट्ज, प्रोमार्टिन डाइक, प्रोपोरव शुक्ला, प्रो. साबू पद्मदास शामिल रहे।

Dainik Jagran ! Page.No-04
Dated:18-01-2019

यूके यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन और सीआईएमपी ने मिलकर आयोजित किया लीडरशिप पर कॉन्फ्रेंस

लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे जब आप उन्हें प्रेरित कर पाएं

- कॉन्फ्रेंस में यूके से आए प्रोफेसर पॉट बेनेट ने रखे विचार
- पांच तरह की जेनरेशन होती हैं उनमें तीन चीजें महत्वपूर्ण

पटना | कार्यालय संवाददाता

काम करने का माहौल तेजी से बदल रहा है। अब देनेवाले और लेनेवाले का संबंध तेजी से बदल रहा है। पूरी दुनिया में 12-13 प्रतिशत ही अच्छी रणनीति को सही तरीके से लागू कर पाते हैं।

यह कहना था यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन (यूनाइटेड किंगडम) में उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो. पॉल बेनेट का। वे चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) में गुरुवार को आयोजित एकदिवसीय ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। सीआईएमपी ने यह कार्यक्रम यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन के साथ मिलकर आयोजित किया था। प्रो. बेनेट ने कहा कि पांच तरह की जेनरेशन होती हैं, उनमें तीन चीजें महत्वपूर्ण होती हैं। बुद्धिमत्ता, ग्रहणीयता और सहकार्यता। प्रो. बेनेट ने लोगों को बताया कि लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों को अपना काम करने में मदद करता है।

उन्होंने बताया कि लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि पदानुक्रमित नेतृत्व खत्म हो चुका है और हम सभी को सहयोगात्मक व्यवहार से काम करने की आवश्यकता है। क्रिएटिव थिंकर व लेखक प्रो. प्रसाद सुंदराजन ने भी कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने 'मिस्टिक लीडर' विषय पर कहा कि प्रत्येक मनुष्य एक रहस्यवादी है। उन्होंने सुकरात, जीसस क्राइस्ट, पैगंबर मोहम्मद और एनी बेसेंट से लेकर भगवान कृष्ण, बुद्ध, राम कृष्ण परमहंस और विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक लोग संवेदनशील और निर्भीक दिमाग रखते हैं।

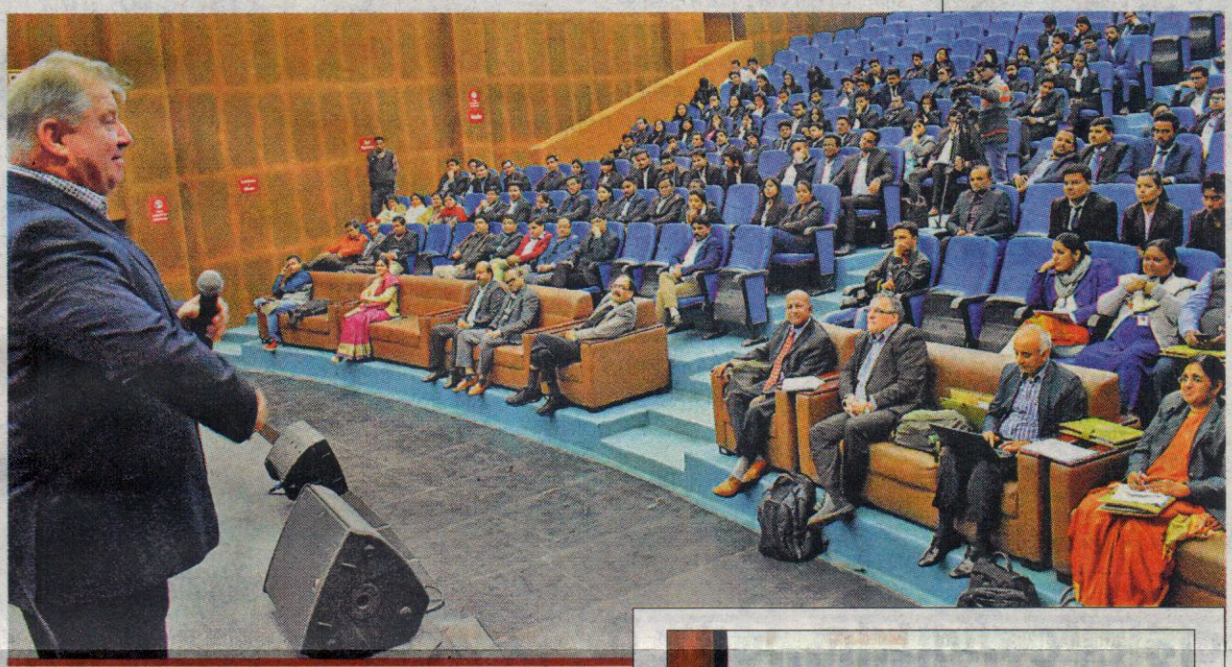

लीडरशिप

- लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों की मदद करता है

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सभागार में हुए कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते प्रो. पॉल बेनेट।

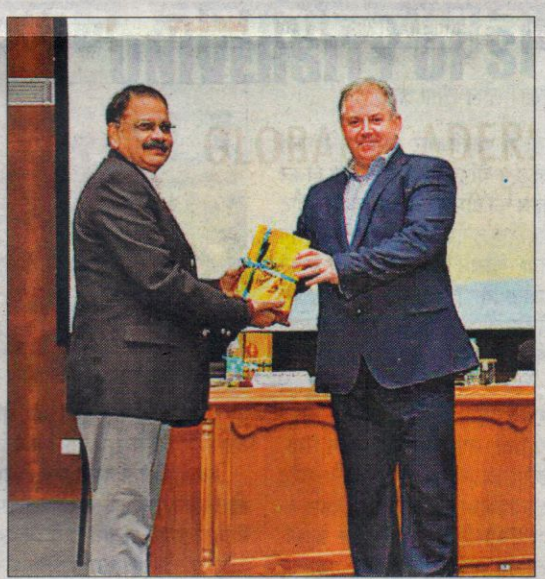

यूके से आए प्रो. पॉल बेनेट को सम्मानित करते निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास। • हिन्दुस्तान

बदलती जा रही है नेतृत्व शैली

अपने उद्घाटन भाषण में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि इस सम्मेलन का आज के समय में बहुत महत्व है, क्योंकि नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है। चाहे वह पेशेवर जीवन में हों, राजनीतिक जीवन में हों या सामान्य सार्वजनिक जीवन में। इसीलिए हमें एक नेता की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि लीडर्स डिफॉल्ट रूप से इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो लीडर सीसीओ- कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-27 ! Dated:18-01-2019

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में हुआ एकदिवसीय ग्लोबल कॉन्फ्रेंस

तेजी से बदल रहा काम करने का माहौल : प्रो. पॉल बेनेट

पटना। कार्यालय संवाददाता

काम करने का माहौल तेजी से बदल रहा है। अब देनेवाले और लेनेवाले का संबंध तेजी से बदल रहा है। पूरी दुनिया में 12-13 प्रतिशत ही अच्छी रणनीति को सही तरीके से लागू कर पाते हैं।

यह कहना था यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन (यूनाइटेड किंगडम) में उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो. पॉल बेनेट का। वे चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) में गुरुवार को आयोजित एकदिवसीय ग्लोबल कांफ्रेंस में बोल रहे थे। सीआईएमपी ने यह कार्यक्रम यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन के साथ मिलकर किया था। प्रो. बेनेट ने कहा कि पांच तरह के जेनरेशन होते हैं, उनमें तीन चीजें महत्वपूर्ण होती हैं। बुद्धिमत्ता, ग्रहणीयता और सहकार्यता। प्रो. बेनेट ने कांफ्रेंस में भाग ले रहे लोगों को बताया कि लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों को अपना काम करने में मदद करता है।

उन्होंने आगे बताया के लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि पदानुक्रमित नेतृत्व खत्म हो चुका है और हम सभी को सहयोगात्मक व्यवहार से काम करने की आवश्यकता है। क्रिटिव थिंकर व लेखक प्रो. प्रसाद सुंदराजन ने भी कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने 'मिस्टिक लीडर' विषय पर कहा कि प्रत्येक मनुष्य एक रहस्यवादी है। रहस्यवादी का मतलब उन विशेषताओं से है, जो हर मनुष्य के लिए सुलभ है। उन्होंने सुकरात, जीसस क्राइस्ट, पैगंबर मोहम्मद और एनी बेसेंट से लेकर भगवान कृष्ण, बुद्ध, राम कृष्ण परमहंस और विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक लोग मुद्दों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं और निर्भीक दिमाग रखते हैं।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में गुरुवार को आयोजित एकदिवसीय ग्लोबल कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन (यूनाइटेड किंगडम) में उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो. पॉल बेनेट।

बदल रही नेतृत्वशैली : वी. मुकुंदा दास

अपने उद्घाटन भाषण में सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि इस सम्मेलन का आज के समय में बहुत महत्व है, क्योंकि नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है। चाहे वह पेशेवर जीवन में हो या राजनीतिक जीवन में हो या सामान्य सार्वजनिक जीवन में हो। इसीलिए हमें एक नेता की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि लीडर्स डिफॉल्ट रूप से इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो लीडर सीसीओ- कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं।

पैनल डिशक्शन हुआ

कांफ्रेंस में उद्घाटन सत्र के बाद अतिथियों के बीच पैनल डिशक्शन हुआ। यह शाम तक चलता रहा। छात्र-छात्राएं इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिए।

Hindustan Yuva ! Page.No-03 ! Dated:18-01-2019

CIMP organises Global Leadership Conference

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupta Institute of Management Patna (CIMP) and Southampton Business School, University of Southampton, United Kingdom jointly on Thursday organised a Global Leadership Conference at CIMP.

The 10-member delegation from UK included Prof Paul Bennett, Prof. Martin Broad, Ajilssac Mathew, Prof Kandiah, Chris Bound, Song Pan Utz, Prof Martin Dyke, Prof Paurav Shukla, Prof Sabu Padmadas and others. In his inaugural address, CIMP Director, Dr V Mukunda Das said that the critical importance of this conference is because leadership styles are changing whether in professional life or is in political life or is in general public life and that's why, we need to bother is about the dynamic characteristics of a leader. He further said that Leaders are, by default, innovators and simply put up, a leader is a person with CCO- Confidence, Communication and Optimism.

Prof Paul Bennett, Director of Enterprise and Executive Education, Southampton Business School, in his address said that Leaders do need Followers and a shared endeavour helps people perform their work adding that people will work hard, if you can inspire them. He further said that Hierarchical leadership is dead and we all need to work for collaborative behaviour--- grow, learn, and connect, multi gain. Creative Thinker and Writer Dr Prasad Sundarajan discussed about The Mystic Leader and said that every human being is a mystic, as mystic means characteristics which are accessible to every human being. Citing from Socrates, Jesus Christ, Prophet Mohammad and Annie Besant to Lord Krishna, Buddha, Ram Krishna Paramhansa and Vivekananda; he said that the mystic are hyper-sensitive to issues and have a "fearless" mind and added that where the mind is not without fear, Mystic is only a remote possibility.

Morning India ! Page.No-03
Dated:18-01-2019

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित हुई ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस

मिस्टिक लीडरशिप के लिए ट्रेनिंग जरूरी

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

अध्यात्म हर प्राणी के अंदर होता है लेकिन आध्यात्मिक नेतृत्व के लिए खुद को उस स्तर तक प्रशिक्षित होने की जरूरत होती है. संगत का इंसान पर काफी असर होता है. यह बात प्रो प्रसाद सुंदरराजन ने शुक्रवार चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में कही. कॉन्फ्रेंस का आयोजन सीआइएमपी व साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. संस्थान के निदेशक प्रो वी मुकुंद दास ने बताया कि यह संभवतः भारत में किसी भी बिजनेस स्कूल में होने वाली पहली कॉन्फ्रेंस थी. जहां वैश्विक नेतृत्व पर चर्चा और पैनल डिस्कशन किया गया.

अच्छी संगत जरूरी

की-नोट स्पीकर के रूप में संबोधन देते हुए प्रो सुंदरराजन ने प्रख्यात दार्शनिक सुकरात का उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे एक नकारा आदमी अच्छी संगत में ज्ञान प्राप्त कर अपनी बुद्धि व ज्ञान का विकास कर सकता है. भगवान कृष्ण, बुद्ध, राम कृष्ण परमहंस, विवेकानंद, एनी बेसेंट, विक्रमादित्य, सम्राट अशोक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक व्यक्तित्व के अंदर निडरता व आत्म क्षमता होती है. किसी भी चीज के बारे में जानने की सेंसिटिविटी होती है. इससे पहले अपने उद्घाटन भाषण में संस्थान के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि इस सम्मेलन का आज के समय में बहुत महत्व है. क्योंकि नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है. चाहे वह पेशेवर जीवन में हो या राजनीतिक जीवन हो या फिर सामान्य सार्वजनिक जीवन. इसीलिए हमें एक नेता की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की आवश्यकता है. लीडर्स डिफॉल्ट रूप से, इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो लीडर सीसीओ यानि कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं.

सीआईएमपी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कॉरपोरेट, सरकार और शिक्षाविदों के प्रतिभागियों की अच्छी संख्या जुटी.

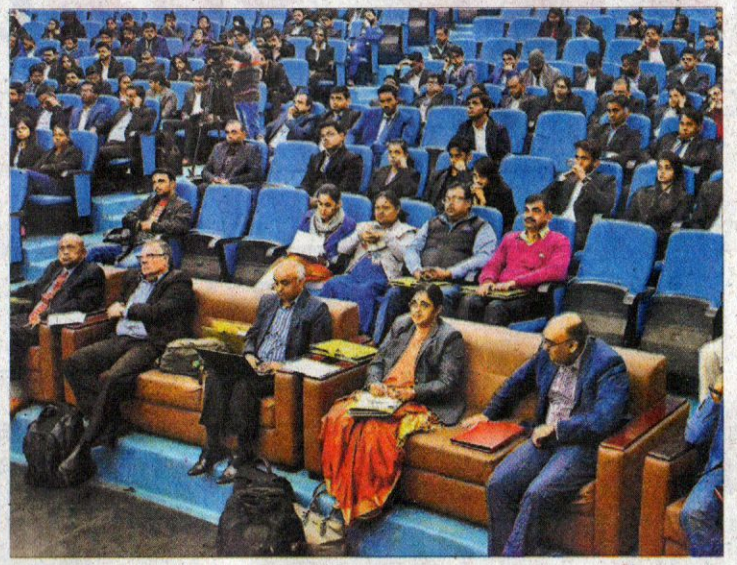

सीआइएमपी में आयोजित ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते अतिथि और कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविद व स्टूडेंट्स.

लोग तभी मेहनत करेंगे जब आप प्रेरित करेंगे

आयोजन में हिस्सा लेते हुए साउथैम्प्टन बिजनेस स्कूल के उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो पॉल बेनेट ने कहा कि लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों को अपना काम करने में मदद करता है. लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें. पदानुक्रमित नेतृत्व खत्म हो चुका है और हम सभी को सहयोगात्मक व्यवहार से काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी कहा कि पूरी दुनिया में 12 से 13 प्रतिशत कंपनी ही बेहतर स्ट्रैटजी को अपना कर काम करती है. अगर कार्य करने में इंटेलीजेंस, एडिप्टीबिलिटी व एग्रीमेंट हो तो कार्य बेहतर तरीके से पूरा हो सकता है. दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया. आयोजन में यूके से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो पॉल बेनेट, प्रो मार्टिन ब्रॉड, श्री एजी आइजैक मैथ्यू, प्रो श्री कंधैया, क्रिस बाउंड, सोंग पैन यूट्ज, प्रो मार्टिन डाइक, प्रो पोरव शुक्ला, प्रो साबू पद्मदास और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया. इस मौके पर बड़ी संख्या में संस्थान के फैकल्टी व छात्र उपस्थित थे.

Prabhat Khabar ! Page.No-20 ! Dated:18-01-2019

नेतृत्व शैली में आ रहा निरंतर बदलाव : मुकुंद

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) और साउथैम्पटन बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन, यूनाइटेड किंगडम ने संयुक्त रूप से सीआईएमपी परिसर में गुरुवार को एक वैश्विक नेतृत्व सम्मेलन (ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस) का आयोजन किया।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में हुआ वैश्विक नेतृत्व सम्मेलन का आयोजन

सीआईएमपी सभागार में आयोजित ग्लोबल लीडरशिप कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ करते अतिथि।

यह संभवतः भारत में किसी भी बिजनेस स्कूल में होने वाला पहला कॉन्फ्रेंस था जहां वैश्विक नेतृत्व पर चर्चा और पैनल डिस्कशन किया गया। यूके से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो. पल बेनेट, प्रो. मार्टिन ब्रड, अजी आईसेक मैथ्यू, प्रो. कंधैया, श्रीक्रिस बाउंड, सोंग पैन यूट्ज, प्रो.मार्टिन डाइक, प्रो. पोरव शुक्ला, प्रो. साबू पद्मदास आदि शामिल थे।

उद्घाटन भाषण में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि नेतृत्व शैली निरंतर बदल रही है चाहे वह पेशेवर जीवन में हो या राजनीतिक जीवन में या सामान्य सार्वजनिक जीवन में हो। इसलिए हमें एक नेता की गतिशील विशेषताओं के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लीडर्स डिफल्ट रूप से इनोवेटर्स और सीधे शब्दों में कहें तो लीडर सीसीओ - कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन और ऑप्टिमिज्म वाले व्यक्ति होते हैं। साउथैम्प्टन बिजनेस स्कूल के उद्यम और कार्यकारी शिक्षा के निदेशक प्रो. पॉल बेनेट ने कहा कि लीडर्स को फॉलोअर्स की जरूरत होती है और एक साझा प्रयास लोगों को अपना काम करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि लोग तभी कड़ी मेहनत करेंगे, जब आप उन्हें प्रेरित कर सकें। पदानुक्रमित नेतृत्व (हिरेरिकल लीडरशिप) खत्म हो चुका है और हम सभी को सहयोगात्मक व्यवहार से काम करने की आवश्यकता है। क्रिएटिव थिंकर और लेखक डॉ. प्रसाद सुंदर राजन ने द मिस्टिक लीडर के बारे में चर्चा की और कहा कि प्रत्येक मनुष्य एक रहस्यवादी (मिस्टिक) है, जैसा कि रहस्यवादी का मतलब उन विशेषताओं से है जो हर मनुष्य के लिए सुलभ हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक (मिस्टिक) लोग मुद्दों के प्रति अति-संवेदनशील होते हैं और निर्भीक दिमाग रखते हैं और जहां मन भय के बिना नहीं है, वहीं मिस्टिक होना केवल एक दूर की संभावना है। कार्यक्रम में कॉरपोरेट, सरकार और शिक्षाविद् प्रतिभागियों की अच्छी संख्या जुटी।

Rashtriya Sahara ! Page.No-07 ! Dated:18-01-2019